

राजीव गांधी ग्रामीण भूमहीन कृषि मज़दूर न्याय योजना

चर्चा में क्यों?

18 अप्रैल, 2022 को राजीव गांधी ग्रामीण भूमहीन कृषि मज़दूर न्याय योजना के हतिग्राहियों की सूची का प्रकाशन संबंधित ग्राम पंचायत में कर दिया गया।

प्रमुख बंदि

- प्रकाशन के साथ ही सूची के सत्यापन की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है, ताकि ऐसे हतिग्राही जनिका नाम पात्रसूची में दर्ज है, परंतु वर्तमान में उनकी मृत्यु हो चुकी है, ऐसे प्रकरण में उनके वैध वारसियों से आवेदन प्राप्त कर नयिमानुसार परीक्षण उपरांत उनका नाम पात्रसूची में जोड़ा जा सके।
- जो वर्तमान में पात्र हतिग्राहियों की सूची में शामिल हैं, परंतु उनके अथवा उनके परिवार के किसी सदस्य के द्वारा कृषि भूमि अर्जति कर लेने के कारण योजना के अंतर्गत अपात्र हो गए हैं, ऐसे हतिग्राहियों के संबंध में आपत्ति/पिटवारी से प्रतविदन प्राप्त कर परीक्षण उपरांत पात्र हतिग्राहियों की सूची से वलिपति कया जा सकेगा।
- गौरतलब है कि राजीव गांधी ग्रामीण भूमहीन कृषि मज़दूर न्याय योजना वतितीय वर्ष 2021-22 में प्रारंभ की गई है।
- इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण कृषेत्र में भूमहीन कृषि मज़दूर परिवारों की पहचान करना तथा भूमहीन कृषि परिवारों को वार्षिकि आधार पर आर्थिकि अनुदान उपलब्ध कराना है। इसके तहत प्रत्येक परिवार को सालाना 6,000 रुपए की आर्थिकि सहायता दी जाएगी।
- इस योजना का क्रयिान्वयन राजस्व वभिग की देखरेख में कया जा रहा है। इसके सफल संचालन के लयि ज़िला अनुश्रवण समतिका भी गठन कया गया है।